Indian Sociological Society
RC 14 Culture and Communication
42nd AISC, Tezpur (December 27-30, 2016)

Abstracts (Hindi)
29.12.2016
Session IV

हिमाचली संस्कृति और सम्प्रेषण

आशा कुमारी
शोधार्थी, हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
धर्मशाला, ज़िला काँगड़ा (हि.प्र.) - 176206
मो० 09805193104
ई.मेल. aashu.bhandari04@gmail.com

संस्कृति मानव जीवन से संबद्ध होती है | यह मनुष्य को जीने का ढंग सिखाती है | यह मानव समुदाय को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है | हिमाचल प्रदेश के पर्व, त्यौहार, मेले, लोक-कलाएँ तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ अपने आप में बेजोड़ हैं | हिमाचली संस्कृति लोकजीवन की रग-रग में समाई हुई है | यही नहीं बल्कि अपनी खूबसूरती एवं सौहार्दपूर्ण परम्पराओं एवं रीति-रिवाजों के कारण हिमाचली संस्कृति आज विश्व पटल पर हिमाचल का प्रतिनिधित्व कर रही है | हिमाचली लोकगीत, लोकनृत्य, लोककथाएँ, लोकगाथाएँ, लोगों का रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि यहाँ की संस्कृति के परिचायक हैं | इन सभी में हिमाचल की ऐतिहासिक परम्परा जीवंत हो उठती है | यहाँ की संस्कृति के प्रति लोगों का रुझान देखते ही बनता है | हिमाचली संस्कृति इतनी सहज, सौम्य व मनमोहक है कि लोगों का इसकी ओर आकर्षित होना स्वाभाविक है | किसी भी देश की संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का संचार करती है और शिष्टाचार से ओत-प्रोत होती है | हिमाचली संस्कृति लोकजीवन के संस्कार एवं सादगीपूर्ण व्यवहार का आइना है | आधुनिकता के इस दौर में हिमाचली संस्कृति कैसे और क्यों वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है जैसे विविध पहलुओं को इस शोध-पत्र के माध्यम से देखने का प्रयास किया जायेगा |